Lam

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

בַגּוֹיִם	רַבָּתִי	כְּאַלְמָנָה	הָיְתָה	עָם	רַבָּתִי	הָעִיר	בָדָד	יָשְׁבָה	אֵיכָה ׀	1
जातियों-में	बड़ी-थी-जो	विधवा-की-तरह	हो-गई-है	लोगों-से	बहुत-थी-जो	नगरी	अकेली	बैठी-है	कैसे	
		H0490	H1961				H0910	H3427		

ס	לָמַס׃	הָיְתָה	בַּמְּדִינוֹת	שָׂרָתִי
—	बेगार-करनेवाली	हो-गई-है	प्रान्तों-में	राजकुमारी-थी-जो
	H4522	H1961	H4082	H8282

एक समय वह था जब यरूशलेम में लोगों की भीड़ थी। किन्तु आज वही नगरी उजाड़ पड़ी हुई हैं! एक समय वह था जब देशों के मध्य यरूशलेम महान नगरी थी! किन्तु आज वही ऐसी हो गयी है जैसी कोई विधवा होती है! वह समय था जब नगरियों के बीच वह एक राजकुमारी सी दिखती थी। किन्तु आज वही नगरी दासी बना दी गयी है।

מְנַחֵם	לָהּ	אֵין-	לֶחֱיָהּ	עַל	וְדִמְעָתָהּ	בַּלַּיְלָה	תִבְכֶּה	בָּכוֹ	2
शान्ति-देनेवाला	उसके-लिए	नहीं-है-	उसके-गालों	पर-	और-उसके-आँसू	रात-में	वह-रोती-है	रोते-रोते	
H5162		H0369	H3895		H1832	H3915	H1058	H1058	

ס	לְאֹיְבִים׃	לָהּ	הָיוּ	בָהּ	בָּגְדוּ	רֵעֶיהָ	כָּל-	אֹהֲבֶיהָ	מִכָּל-
—	शत्रु	उसके-लिए	हो-गए-हैं	उससे	विश्वासघात-किया	उसके-मित्रों-ने	सब-	उसके-प्रेमियों	में-से-सब-
	H0341		H1961		H0898	H7453	H3605	H0157	H3605

रात में वह बुरी तरह रोती है और उसके अश्रु गालों पर टिके हुए है! उसके पास कोई नहीं है जो उसको ढांढस दे। उसके मित्र देशों में कोई ऐसा नहीं है जो उसको चैन दे। उसके सभी मित्रों ने उससे मुख फेर लिया। उसके मित्र उसके शत्रु बन गये।

מָנוֹחַ	מָצְאָה	לֹא	בַגּוֹיִם	יָשְׁבָה	הִיא	עֲבֹדָה	וּמֵרֹב	מֵעֹנִי	יְהוּדָה	גָּלְתָה	3
विश्राम	उसने-पाया	नहीं	जातियों-में	बसी-है	वह	दासत्व	और-से-बहुत	दुख-से	यहूदा	बन्दी-होकर-गई	
H4494	H4672	H3808		H3427	H1931	H5656	H7230	H6040	H3063	H1540	

ס	הַמְּצָרִים׃	בֵּין	הִשִּׂיגוּהָ	רֹדְפֶיהָ	כָּל-
—	संकटों-के	बीच	उसे-पकड़-लिया	उसके-पीछा-करनेवालों-ने	सब-
	H4712	H0996	H5381	H7291	H3605

बहुत कष्ट सहने के बाद यहूदा बंधुआ बन गयी। बहुत मेहनत के बाद भी यहूदा दूसरे देशों के बीच रहती है, किन्तु उसने विश्राम नहीं पाया है। जो लोग उसके पीछे पड़े थे, उन्होंने उसको पकड़ लिया। उन्होंने उसको संकरी घाटियों के बीच में पकड़ लिया।

כֹּהֲנֶיהָ	שׁוֹמֵמִין	שְׁעָרֶיהָ	כָּל-	מוֹעֵד	בָּאֵי	מִבְּלִי	אֲבֵלוֹת	צִיּוֹן	דַּרְכֵי	4
उसके-याजक	उजड़े-हुए-हैं	उसके-फाटक	सब-	पर्व-पर	आनेवाले	क्योंकि-नहीं-	शोक-में-हैं	सिय्योन-के	मार्ग	
H3548	H8074	H8179	H3605	H4150	H0935	H1097	H0057	H6726	H1870	

ס	לָהּ׃	מַר-	וְהִיא	נּוּגוֹת	בְּתוּלֹתֶיהָ	נֶאֱנָחִים
—	उसके-लिए	कड़वा-	और-वह	दुखी-हैं	उसकी-कुँवारियाँ	कराह-रहे-हैं
		H4751	H1931	H3013	H1330	H0584

सिय्योन की राहें बहुत दु:ख से भरी हैं। वे बहुत दु:खी हैं क्योंकि अब उत्सव के दिनों के हेतु कोई भी व्यक्ति सिय्योन पर नहीं जाता है। सिय्योन के सारे द्वार नष्ट कर दिये गये है। सिय्योन के सब याजक दहाड़ें मारते हैं। सिय्योन की सभी युवा स्त्रियाँ उससे छीन ली गयी हैं और यह सब कुछ सिय्योन का गहरा दु:ख है।

5

הָיוּ	हो-गए-हैं	H1961
צָרֶיהָ	उसके-शत्रु	
לְרֹאשׁ	प्रधान	
אֹיְבֶיהָ	उसके-बैरी	H0341
שָׁלוּ	सुखी-हैं	H7951
כִּי־	क्योंकि-	
יְהוָה	यहोवा-ने	H3068
הוֹגָהּ	उसे-दुखी-किया-है	H3013
עַל	के-कारण-	
רֹב־	बहुत-	H7230
פְּשָׁעֶיהָ	उसके-अपराधों	H6588
עוֹלָלֶיהָ	उसके-बच्चे	H5768
הָלְכוּ	गए-हैं	H1980
שְׁבִי	बन्दी-होकर	
לִפְנֵי־	के-सामने-	H6440
צָר׃	शत्रु	
ס	—	

यरूशलेम के शत्रु विजयी हैं। उसके शत्रु सफल हो गये हैं, ये सब इसलिये हो गया क्योंकि यहोवा ने उसको दण्ड दिया। उसने यरूशलेम के अनगिनत पापों के लिये उसे दण्ड दिया। उसकी संताने उसे छोड़ गयी। वे उनके शत्रुओं के बन्धन में पड़ गये।

6

וַיֵּצֵא	और-निकल-गई	H3318
]מן[	—	
]בת[	—	H1323
)מִבַּת־(	से-बेटी-	H1323
צִיּוֹן	सिय्योन-की	H6726
כָּל־	सारी-	H3605
הֲדָרָהּ	उसकी-शोभा	H1926
הָיוּ	हो-गए-हैं	H1961
שָׂרֶיהָ	उसके-हाकिम	H8269
כְּאַיָּלִים	हिरणों-की-तरह	H0354
לֹא־	नहीं-	H3808
מָצְאוּ	उन्होंने-पाया	H4672
מִרְעֶה	चरागाह	H4829
וַיֵּלְכוּ	और-वे-गए	H3212
בְלֹא־	बिना-	H3808
כֹחַ	ताकत-के	
לִפְנֵי	के-सामने	H6440
רוֹדֵף׃	पीछा-करनेवाले-के	H7291
ס	—	

सिय्योन की पुत्री की सुंदरता जाती रही है। उसकी राजकन्याएं दीन हरिणी सी हुई। वे वैसी हरिणी थीं जिनके पास चरने को चरागाह नहीं होती। बिना किसी शक्ति के वे इधर—उधर भागती हैं। वे ऐसे उन व्यक्तियों से बचती इधर—उधर फिरती हैं जो उनके पीछे पड़े हैं।

7

זָכְרָה	याद-करती-है	H2142
יְרוּשָׁלִַם	यरूशलेम	H3389
יְמֵי	दिनों-को	H3117
עָנְיָהּ	अपने-दुख-के	H6040
וּמְרוּדֶיהָ	और-अपनी-भटकन	H4788
כֹּל	सब	H3605
מַחֲמֻדֶיהָ	अपने-बहुमूल्य-वस्तुओं-को	H4262
אֲשֶׁר	जो	
הָיוּ	थीं	H1961
מִימֵי	से-दिनों	H3117
קֶדֶם	प्राचीन	
בִּנְפֹל	जब-गिरे	H5307
עַמָּהּ	उसके-लोग	
בְּיַד־	में-हाथ-	H3027
צָר	शत्रु-के	
וְאֵין	और-नहीं-था	H0369
עוֹזֵר	सहायक	H5826
לָהּ	उसके-लिए	
רָאוּהָ	देखते-थे-उसे	H7200
צָרִים	शत्रु	
שָׂחֲקוּ	हँसते-थे	H7832
עַל	पर-	
מִשְׁבַּתֶּהָ׃	उसके-पतन	H4868
ס	—	

यरूशलेम बीती बात सोचा करती है, उन दिनों की बातें जब उस पर प्रहार हुआ था और वह बेघर—बार हुई थी। उसे बीते दिनों के सुख याद आते थे। वे पुराने दिनों में जो अच्छी वस्तुएं उसके पास थीं, उसे याद आती थीं। वह ऐसे उस समय को याद करती है जब उसके लोग शत्रुओं के द्वारा बंदी किये गये। वह ऐसे उस समय को याद करती है जब उसे सहारा देने को कोई भी व्यक्ति नहीं था। जब शत्रु उसे देखते थे, वे उसकी हंसी उड़ाते थे। वे उसकी हंसी उड़ाते थे क्योंकि वह उजड़ चुकी थी।

8

חֵטְא	पाप	H2399
חָטְאָה	किया-है	H2398
יְרוּשָׁלִַם	यरूशलेम-ने	H3389
עַל־	पर-	
כֵּן	इसलिए	
לְנִידָה	अशुद्ध	H5206
הָיָתָה	हो-गई-है	H1961
כָּל־	सब-	H3605
מְכַבְּדֶיהָ	उसके-आदर-करनेवाले	H3513
הִזִּילוּהָ	तुच्छ-समझते-हैं-उसे	H2107
כִּי־	क्योंकि-	
רָאוּ	उन्होंने-देखी	H7200
עֶרְוָתָהּ	उसकी-नग्नता	H6172
גַּם־	भी-	H1571
הִיא	वह	H1931
נֶאֶנְחָה	कराहती-है	H0584
וַתָּשָׁב	और-मुड़-गई	H7725
אָחוֹר׃	पीछे	H0268
ס	—	

यरूशलेम ने गहन पाप किये थे। उसने पाप किये थे कि जिससे वह ऐसी वस्तु हो गई कि जिस पर लोग अपना सिर नचाते थे। वे सभी लोग उसको जो मान देते थे, अब उससे घृणा करने लगे। वे उससे घृणा करने लगे क्योंकि उन्होंने उसे नंगा देख लिया है। यरूशलेम दहाड़े मारती है और वह मुख फेर लेती है।

9

טֻמְאָתָהּ	उसकी-अशुद्धता	H2932
בְּשׁוּלֶיהָ	उसके-आँचल-में	H7757
לֹא	नहीं	H3808
זָכְרָה	उसने-सोचा	H2142
אַחֲרִיתָהּ	अपने-भविष्य-को	H0319
וַתֵּרֶד	और-गिर-पड़ी	H3381
פְּלָאִים	अद्भुत-रीति-से	H6382
אֵין	नहीं-है	H0369
מְנַחֵם	शान्ति-देनेवाला	H5162
לָהּ	उसके-लिए	
רְאֵה	देख	H7200
יְהוָה	यहोवा	H3068
אֶת־	को-	H0853
עָנְיִי	मेरे-दुख	H6040
כִּי	क्योंकि	
הִגְדִּיל	बड़ा-हो-गया-है	H1431
אוֹיֵב׃	शत्रु	H0341
ס	—	

यरूशलेम के वस्त्र गंदे थे। उसने नहीं सोचा था कि उसके साथ क्या कुछ घटेगा। उसका पतन विचित्र था, उसके पास कोई नहीं था जो उसको शांति देता। वह कहा करती है, “हे यहोवा, देख मैं कितनी दु:खी हूँ! देख मेरा शत्रु कैसा सोच रहा है कि वह कितना महान है!”

בָּאוּ	גוֹיִם	רָאֲתָה	כִּי־	מַחֲמַדֶּיהָ	כָּל־	עַל	צָר	פָּרַשׂ	יָדוֹ	10
आते-हुए	जातियों-को	उसने-देखा	क्योंकि-	उसकी-बहुमूल्य-वस्तुओं	सब-	पर-	शत्रु-ने	फैलाया	अपना-हाथ	
H0935		H7200		H4261	H3605			H6566	H3027	

ס	לָךְ׃	בַּקָּהָל	יָבֹאוּ	לֹא־	צִוִּיתָה	אֲשֶׁר	מִקְדָּשֶׁהּ
—	तेरी	में-सभा	वे-आएँ	नहीं-	तूने-आज्ञा-दी-थी	जिनके-विषय	उसके-पवित्र-स्थान-में
		H6951	H0935	H3808	H6680		H4720

> शत्रु ने हाथ बढ़ाया और उसकी सब उत्तर वस्तु लूट लीं। दर असल उसने वे पराये देश उसके पवित्र स्थान में भीतर प्रवेश करते हुये देखे। हे यहोवा, यह आज्ञा तूने ही दी थी कि वे लोग तेरी सभा में प्रवेश नहीं करेंगे!

(מַחֲמַדֵּיהֶם)	[מחמודיהם]	נָתְנוּ	לֶחֶם	מְבַקְּשִׁים	נֶאֱנָחִים	עַמּוֹ	כָּל־	11
उन्होंने-अपनी-बहुमूल्य-वस्तुएँ	—	दे-दिया	रोटी	खोजते-हुए	कराहते-हैं	उसके-लोग	सब-	
H4261	H4262	H5414	H3899	H1245	H0584		H3605	

ס	זוֹלֵלָה׃	הָיִיתִי	כִּי	וְהַבִּיטָה	יְהוָה	רְאֵה	נַפְשׁ	לְהָשִׁיב	בְּאֹכֶל
—	तुच्छ	मैं-हो-गई-हूँ	क्योंकि	और-निगाह-कर	यहोवा	देख	प्राण	लौटाने-को	भोजन-के-बदले
		H1961		H5027	H3068	H7200	H5315	H7725	H0400

> यरूशलेम के सभी लोग कराह रहे हैं, उसके सभी लोग खाने की खोज में है। वे खाना जुटाने को अपने मूल्यवान वस्तुयें बेच रहे हैं। वे ऐसा करते हैं ताकि उनका जीवन बना रहे। यरूशलेम कहता है, "देख यहोवा, तू मुझको देख! देख, लोग मुझको कैसे घृणा करते है।

כְּמַכְאֹבִי	מַכְאוֹב	יֵשׁ	אִם־	וּרְאוּ	הַבִּיטוּ	דַּרְכִּי	עֹבְרֵי	כָּל־	אֵלֶיכֶם	לֹוא	12
मेरे-दर्द-जैसा	दर्द	है	क्या-	और-देखो	देखो	राह-के	गुजरनेवालो	सब-	तुम-पर	क्या-नहीं	
H4341	H4341	H3426		H7200	H5027	H1870		H3605	H0413	H3808	

ס	אַפּוֹ׃	חֲרוֹן	בְּיוֹם	יְהוָה	הוֹגָה	אֲשֶׁר	לִי	עוֹלֵל	אֲשֶׁר
—	अपने-क्रोध-के	भड़कते	में-दिन	यहोवा-ने	दुखी-किया-है	जिससे	मुझ-पर	किया-गया-है	जो
	H0639	H2740	H3117	H3068	H3013				

> मार्ग से होते हुए जब तुम सभी लोग मेरे पास से गुजरते हो तो ऐसा लगता है जैसे ध्यान नहीं देते हो। किन्तु मुझ पर दृष्टि डालो और जरा देखो, क्या कोई ऐसी पीड़ा है जैसी पीड़ा मुझको है क्या ऐसा कोई दु:ख है जैसा दु:ख मुझ पर पड़ा है क्या ऐसा कोई कष्ट है जैसे कष्ट का दण्ड यहोवा ने मुझे दिया है उसने अपने कठिन क्रोध के दिन पर मुझको दण्डित किया है।

הֵשִׁיבַנִי	לְרַגְלָי	רֶשֶׁת	פָּרַשׂ	וַיִּרְדֵּנָה	בְּעַצְמֹתַי	אֵשׁ	שָׁלַח־	מִמָּרוֹם		13
मोड़-दिया-मुझे	मेरे-पैरों-के-लिए	जाल	बिछाया	और-वह-उतरी-उनमें	मेरी-हड्डियों-में	आग	भेजी-	ऊपर-से		
H7725	H7272	H7568	H6566		H6106	H0784	H7971	H4791		

ס	דָּוָה׃	הַיּוֹם	כָּל־	שֹׁמֵמָה	נְתָנַנִי	אָחוֹר	
—	बीमार	दिन	सारे-	उजड़ी-हुई	बना-दिया-मुझे	पीछे	
	H1739	H3117	H3605	H8076	H5414	H0268	

> यहोवा ने ऊपर से आग को भेज दिया और वह आग मेरी हड्डियों के भीतर उतरी। उसने मेरे पैरों के लिये एक फंदा फेंका। उसने मुझे दूसरी दिशा में मोड़ दिया है। उसने मुझे वीरान कर डाला है। सारे दिन मैं रोती रहती हूँ।

הִכְשִׁיל	צַוָּארִי	עַל־	עָלוּ	יִשְׂתָּרְגוּ	בְּיָדוֹ	פְּשָׁעַי	עֹל	נִשְׁקַד		14
कमजोर-कर-दिया-है	मेरी-गर्दन	पर-	चढ़े-हैं	वे-गुँथे-हुए-हैं	उसके-हाथ-से	मेरे-अपराधों-का	जूआ	बँधा-हुआ-है		
H3782			H5927	H8276	H3027	H6588	H5923	H8244		

ס	קוּם׃	אוּכַל	לֹא־	בִּידֵי	אֲדֹנָי	נְתָנַנִי	כֹּחִי	
—	खड़ी-होना	मैं-सकती	नहीं-	में-हाथों	प्रभु-ने	दे-दिया-है-मुझे	मेरा-बल	
		H3201	H3808	H3027	H0136	H5414		

> "मेरे पाप मुझ पर जुए के समान कसे गये। यहोवा के हाथों द्वारा मेरे पाप मुझ पर कसे गये। यहोवा का जुआ मेरे कन्धों पर है। यहोवा ने मुझे दुर्बल बना दिया है। यहोवा ने मुझे उन लोगों को सौंपा जिनके सामने मैं खड़ी नहीं हो सकती।

15	סִלָּה	כָל־	אַבִּירַי	אֲדֹנָי	בְּקִרְבִּי	קָרָא	עָלַי	מוֹעֵד	לִשְׁבֹּר	בַּחוּרָי
	ठुकरा-दिया	सब-	मेरे-वीरों-को	प्रभु-ने	मेरे-बीच-में	बुलाया	मेरे-विरुद्ध	पर्व	कुचलने-को	मेरे-जवानों-को
		H3605	H0047	H0136	H7130	H7121		H4150	H7665	H0970

גַּת	דָּרַךְ	אֲדֹנָי	לִבְתוּלַת	בַּת־	יְהוּדָה׃	ס
दाखरस-का-कुण्ड	रौंदा	प्रभु-ने	के-लिए-कुँवारी	बेटी-	यहूदा-की	—
H1660	H1869	H0136	H1330	H1323	H3063	

“यहोवा ने मेरे सभी वीर योद्धा नकार दिये। वे वीर योद्धा नगर के भीतर थे। यहोवा ने मेरे विरुद्ध में फिर एक भीड़ भेजी, वह मेरे युवा सैनिक को मरवाने उन लोगों को लाया था। यहोवा ने मेरे अंगूर गरठ में कुचल दिये। वह गरठ यरूशलेम की कुमारियों का होता था।

16	עַל־	אֵלֶּה	אֲנִי	בוֹכִיָּה	עֵינִי	עֵינִי	יֹרְדָה	מַּיִם	כִּי־	רָחַק	מִמֶּנִּי
	पर-	इन-बातों	मैं	रोनेवाली-हूँ	मेरी-आँख	मेरी-आँख	बहाती-है	जल	क्योंकि-	दूर-है	मुझसे
		H0428	H0589	H1058			H3381	H4325		H7368	

מְנַחֵם	מֵשִׁיב	נַפְשִׁי	הָיוּ	בָנַי	שׁוֹמֵמִים	כִּי	גָבַר	אוֹיֵב׃	ס
शान्ति-देनेवाला	लौटानेवाला	मेरे-प्राण	हो-गए-हैं	मेरे-बच्चे	उजड़े-हुए	क्योंकि	प्रबल-हो-गया-है	शत्रु	—
H5162	H7725	H5315	H1961		H8074		H1396	H0341	

“इन सभी बातों को लेकर मैं चिल्लाई। मेरे नयन जल में डूब गये। मेरे पास कोई नहीं मुझे चैन देने। मेरे पास कोई नहीं जो मुझे थोड़ी सी शांति दे। मेरे संताने ऐसी बनी जैसे उजाड़ होता है। वे ऐसे इसलिये हुआ कि शत्रु जीत गया था।”

17	פֵּרְשָׂה	צִיּוֹן	בְּיָדֶיהָ	אֵין	מְנַחֵם	לָהּ	צִוָּה	יְהוָה	לְיַעֲקֹב
	फैलाती-है	सिय्योन	अपने-हाथ	नहीं-है	शान्ति-देनेवाला	उसके-लिए	आज्ञा-दी-है	यहोवा-ने	के-विषय-याकूब
	H6566	H6726	H3027	H0369	H5162		H6680	H3068	H3290

סְבִיבָיו	צָרָיו	הָיְתָה	יְרוּשָׁלִַם	לְנִדָּה	בֵּינֵיהֶם׃	ס
उसके-चारों-ओर	उसके-शत्रु-हैं	हो-गई-है	यरूशलेम	अशुद्ध	उनके-बीच	—
H5439		H1961	H3389	H5079	H0996	

सिय्योन अपने हाथ फैलाये हैं। कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था जो उसको चैन देता। यहोवा ने याकूब के शत्रुओं को आज्ञा दी थी। यहोवा ने उसे घेर लेने की आज्ञा दी थी। यरूशलेम ऐसी हो गई जैसी कोई अपवित्र वस्तु थी।

18	צַדִּיק	הוּא	יְהוָה	כִּי	פִיהוּ	מָרִיתִי	שִׁמְעוּ־	נָא	כָל־	]עמים[
	धर्मी-है	वह	यहोवा	क्योंकि	उसके-मुख-के-विरुद्ध	मैंने-बगावत-की	सुनो-	कृपया	सब-	—
	H6662	H1931	H3068		H6310	H4784	H8085	H4994	H3605	

)הָעַמִּים(	וּרְאוּ	מַכְאֹבִי	בְּתוּלֹתַי	וּבַחוּרַי	הָלְכוּ	בַשֶּׁבִי׃	ס
हे-लोगो	और-देखो	मेरा-दर्द	मेरी-कुँवारियाँ	और-मेरे-जवान	गए-हैं	बन्दी-होकर	—
	H7200	H4341	H1330	H0970	H1980		

यरूशलेम कहा करती है, “यहोवा तो न्यायशील है क्योंकि मैंने ही उस पर कान देना नकारा था। सो, हे सभी व्यक्तियों, सुनो! तुम मेरा कष्ट देखो! मेरे युवा स्त्री और पुरुष बंधुआ बना कर पकड़े गये हैं।

19	קָרָאתִי	לַמְאַהֲבַי	הֵמָּה	רִמּוּנִי	כֹּהֲנַי	וּזְקֵנַי	בָּעִיר	גָּוָעוּ	כִּי־
	मैंने-पुकारा	अपने-प्रेमियों-को	उन्होंने	मुझे-धोखा-दिया	मेरे-याजक	और-मेरे-पुरनिये	नगर-में	मर-गए	जब-
	H7121	H0157	H1992		H3548	H2205		H1478	

בִקְשׁוּ	אֹכֶל	לָמוֹ	וְיָשִׁיבוּ	אֶת־	נַפְשָׁם׃	ס
उन्होंने-खोजा	भोजन	अपने-लिए	और-वे-लौटाएँ	को-	अपने-प्राण	—
H1245	H0400		H7725	H0853	H5315	

मैंने अपने प्रेमियों को पुकारा। किन्तु वे आँखें बचा कर चले गये। मेरे याजक और बुजुर्ग मेरे नगर में मर गये। वे अपने लिये भोजन को तरसते थे। वे चाहते थे कि वे जीवित रहें।

כִּי	בִקְרְבִּי	לִבִּי	נֶהְפַּךְ	חָמַרְמָרוּ	מֵעָי	לִי	צַר־	כִּי־	יְהוָה	רְאֵה	20
क्योंकि	मेरे-भीतर	मेरा-हृदय	पलटा-है	उबल-रही-हैं	मेरी-अंतड़ियाँ	मैं-हूँ	संकट-में-	क्योंकि-	यहोवा	देख	
	H7130		H2015		H4578		H6887		H3068	H7200	

ס	כַּמָּוֶת׃	בַּבַּיִת	חֶרֶב	שִׁכְלָה־	מִחוּץ	מָרִיתִי	מָרוֹ
—	मृत्यु-की-तरह	घर-में	तलवार	निःसन्तान-करती-है-	बाहर	मैंने-बगावत-की	कड़वाहट-से
	H4194		H2719		H2351	H4784	H4784

> “हे यहोवा, मुझे देख! मैं दुःख में पड़ी हूँ! मेरा अंतरंग बेचैन है! मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरा हृदय उलट—पलट गया हो! मुझे मेरे मन में ऐसा लगता है क्योंकि मैं हठी रही थी! गलियों में मेरे बच्चों को तलवार ने काट डाला है। घरों के भीतर मौत का वास था।

שָׁמְעוּ	אֹיְבַי	כָּל־	לִי	מְנַחֵם	אֵין	אֲנִי	נֶאֶנָחָה	כִּי	שָׁמְעוּ		21
सुनी	मेरे-शत्रुओं-ने	सब-	मेरे-लिए	शान्ति-देनेवाला	नहीं-है	मैं	कराहती-हूँ	कि	उन्होंने-सुना		
H8085	H0341	H3605		H5162	H0369	H0589	H0584		H8085		

וְיֵהְיוּ	קָרָאתָ	יוֹם־	הֵבֵאתָ	עָשִׂיתָ	אַתָּה	כִּי	שָׂשׂוּ	רָעָתִי	
और-वे-हो-जाएँ	तूने-ठहराया-था-जो	दिन-	तूने-लाया-है	किया-है	तूने	क्योंकि	आनन्दित-हुए	मेरी-विपत्ति	
H1961	H7121	H3117	H0935				H7797		

ס	כָּמוֹנִי׃
—	मुझ-जैसे
	H3644

> “मेरी सुन, क्योंकि मैं कराह रही हूँ! मेरे पास कोई नहीं है जो मुझको चैन दे, मेरे सब शत्रुओं ने मेरी दुःखों की बात सुन ली है। वे बहुत प्रसन्न हैं। वे बहुत ही प्रसन्न हैं क्योंकि तूने मेरे साथ ऐसा किया। अब उस दिन को ले आ जिसकी तूने घोषणा की थी। उस दिन तू मेरे शत्रुओं को वैसी ही बना दे जैसी मैं अब हूँ।

עָלַי	לִי	עוֹלַלְתָּ	כַּאֲשֶׁר	לָמוֹ	וְעוֹלֵל	לְפָנֶיךָ	רָעָתָם	כָּל־	תָּבֵא	22
के-कारण-	मेरे-साथ	तूने-किया-है	जैसा	उनके-साथ	और-कर-उन-पर	तेरे-सामने	उनकी-बुराई	सारी-	आए	
						H6440		H3605	H0935	

פ	דָוָי׃	וְלִבִּי	אַנְחֹתַי	רַבּוֹת	כִּי־	פְּשָׁעָי	כָּל־	
—	बीमार-है	और-मेरा-हृदय	मेरी-आहें	बहुत-हैं	क्योंकि-	मेरे-अपराधों	सब-	
	H1742		H0585			H6588	H3605	

> “मेरे शत्रुओं का बंदी तू अपने सामने आने दे। फिर उनके साथ तू वैसा ही करेगा जैसा मेरे पापों के बदले में तूने मेरे साथ किया। ऐसा कर क्योंकि मैं बार बार कराह रहा। ऐसा कर क्योंकि मेरा हृदय दुर्बल है।”